मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO Delhi on 10/11.10. 2023

Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA

वर्ष : 59 अंक 10 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख

अक्टूबर 2023 बहाई वर्ष : 180

विश्व न्याय मन्दिर

बेशक, आशीर्वादित सौंदर्य के अनुयायी के लिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उनके द्वारा प्रतिपादित आध्यात्मिक आदर्शों के लिए ह्रदयों को लालायित रहना चाहिए। तथापि हम इसे मर्मस्पर्शी पाते हैं कि, एक वर्ष में जब मानवता की सामूहिक प्रगति की संभावनाएँ बिरले ही पहले कभी इतनी अधिक धुंधली दिखाई दी हों, दस हजार से अधिक सम्मेलनों में प्रभुधर्म का प्रकाश आश्चर्यजनक दीप्ति के साथ चमका जिसमें लगभग पंद्रह लाख लोगों ने भाग लिया, और उन्हीं आदर्शों को बढ़ावा देने के साधनों पर ध्यान केंद्रित किया।

—रिज़वान 2023

बिहार में तीन पीएसए सेमिनारों का आयोजन

सोसाइटी ऑफ यूनिवर्सल लर्नर–सोल द्वारा बिहार के खगड़िया, पटना और बिहारशरीफ में 8 से 15 सितम्बर 2023 तक एक साथ तीन पीएसए सेमिनारों का आयोजन किया गया, जिसमें बिहार के प्रशिक्षण संस्थान में सेवा अर्पित करने वाले 101 मानव संसाधनों ने भाग लिया। इस दौरान तीनों स्थानों पर पीएसए की दो पुस्तकों – "दुनिया का वर्णन" तथा "पदार्थ का ऊष्मीकरण और शीतलीकरण" का गहन अध्ययन किया गया।

उल्लेखनीय है कि तीनों स्थानों पर दो–दो सह–शिक्षकों की मदद से प्रतिभागियों में इन पुस्तकों की अवधारणाओं की गहन समझ विकसित करने का प्रयास किया गया। इन सेमिनारों में पहली पुस्तक "दुनिया का वर्णन" के अध्ययन के दौरान उनमें 5 वर्ष के बच्चों में बौद्धिक एवं आध्यात्मिक ज्ञान विकसित करने के विभिन्न तरीकों के संदर्भ में प्रतिभागियों के सामर्थ्य में इजाफा किया गया। बच्चों को शैशवकाल से ही प्रकृति में व्याप्त ईश्वरीय रचना के माध्यम से कैसे सहयोग किया जाए, साथ ही इन्द्रियों के उपयोग के माध्यम से बच्चों में बोध एवं क्षमता विकसित करने के तरीकों से प्रतिभागीगण अवगत हुए। संख्यात्मक ज्ञान, जोड़ – घटाव, स्थान एवं समय के साथ–साथ दुनिया में हो रहे परिवर्तनों के बारे में बच्चे कैसे सीख सकते हैं – इस संदर्भ में प्रतिभागियों ने अपने सामर्थ्य एवं कुशलताओं को विकसित किया और संकल्प लिया कि इन सीखों के द्वारा वे अपने–अपने समुदाय में शिक्षा की जरूरतों को पूरा करने में अपना योगदान देंगे। इस पुस्तक की समाप्ति पर एक प्रतिभागी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा –"हम जो सेवा कर रहे हैं उसके केन्द्र में है ज्ञान प्राप्त करना, हम दूसरों के साथ सीखते हैं और समुदाय की प्रगति में प्राप्त ज्ञान एवं गुण का उपयोग करते हैं। सेवा करने वाला व्यक्ति कभी भी स्वयं को किसी अन्य से श्रेष्ठ नहीं समझता है। इस पुस्तक के माध्यम से मेरे अन्दर "सेवा की चाह" की अवधारणा और अधिक स्पष्ट हुई है।"

एक अन्य प्रतिभागी ने कहा– हम बच्चों की कक्षा, किशोर समूह और अध्ययनवृत कक्षा अपने यहाँ संचालित कर रहे थे, लेकिन शिशुओं के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी। इस पुस्तक के अध्ययन के बाद हम शिशुओं को भी रोचक ढंग से सीखा पायेंगे।"

एक अन्य प्रतिभागी ने कहा कि "जिस समुदाय में मानव संसाधन का दल सीखने की प्रवृति में आगे बढ़ रहा होता है और गुणों तथा अभिवृत्तियों को धारण कर प्रयास

शेष पृष्ठ 3 पर



सेमिनार में प्रतिभागी चर्चा करते हुए

इस अंक में

मध्य प्रदेश में आयोजित गतिविधियाँ

• मध्य प्रदेश में सलाहकार से प्राप्त मार्गदर्शन के अनुसार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा 26 से 29 सितम्बर, 2023 तक चार दिवसीय किशोर सशक्तिकरण कार्यक्रम की दो पुस्तक 'एक व्यवस्थित मन की आदतें' और 'प्रेक्षण एवं अंतर्दृष्टि' का अध्ययन बड़े ही आनन्द और उल्लास के साथ बहाई भवन भोपाल में आयोजित किया। इस कार्यक्रम में राज्य में सेवा दे रहे संयोजकगण, अनुप्रेरक और अन्य मानव संसाधन मिलाकर कुल 28 प्रतिभागी शामिल हुए।

कार्यक्रम में विधुना से आए एक बहाई मित्र ने इस चार दिवसीय अध्ययन में पूर्ण सहयोग दिया। प्रथम दिन एक व्यवस्थित मन की आदतें पुस्तक से शुरूआत की गई, जिसमें एक व्यवस्थित रूप से स्वयं को कैसे क्रम में विचारों का निरुपण करना और उन्हें स्पष्टता से अभिव्यक्त करना, योजना बनाना और उन आदतों को प्राथमिकता देना जो उनके लिए महत्वपूर्ण है इन शक्तियों का प्रयोग करना सीखा। यह पुस्तक अवसर प्रदान करती है मन की कुछ शक्तियों पर चिन्तन करने का ताकि उन्हें मानवजाति की भलाई के लिए प्रयोग किया जा सकता है, ये है कल्पना की शक्ति, सोच की शक्ति, स्मरण की शक्ति और समझ की शक्ति का ज्ञान विकसित करना।

इस पुस्तक के 10 अध्यायों में अनेक ऐसी गतिविधियाँ आईं जिसमें विभिन्न प्रकार के आध्यात्मिक गुणों को पोषित करने की व्यवस्थित स्थितियों को आत्मसात किया। प्रतिभागियों ने इस प्रभावपूर्ण पुस्तक का अध्ययन बड़ी ही गहनता के साथ दो दिन में समाप्त किया।

तत्पश्चात तीसरे दिन 'प्रेक्षण एवं अंतर्दृष्टि' पुस्तक की शुरूआत की गई। इस पुस्तक में गणित और विज्ञान सम्बंधी अवधारणाओं के बारे में दिया गया है। विज्ञान और गणित सम्बंधी अवधारणाओं ने गहन चिंतन में मजबूत किया एवं सोचने समझने में एकाग्रता को प्रोत्साहित किया। सभी ने खुलकर इस अध्ययन कार्यक्रम में प्रतिभागिता दर्ज कराई। युवाओं को इन दोनों पुस्तकों के दौरान स्वयं के अनुभवों को साझा करने का अवसर प्राप्त हुआ।



किशोर सशक्तिकरण कार्यक्रम की पुस्तकों का अध्ययन करते हुए

सुबह 9 बजे से लेकर रात 8 बजे तक अध्ययन बहुत ही लम्बा रहा मगर सभी के पूर्ण सहयोग ने कार्यक्रम को रोचक बनाया। इस चार दिवसीय कार्यक्रम में एक बार रात्रि सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी मित्रों ने भाग लिया। हमेशा की तरह इस बार भी बानमोर समुदाय से प्रतिभागियों की संख्या अधिक रही।

• इन्दौर समुदाय में 15 से 17 सितम्बर, 2023 तक तीन दिवसीय रूही पुस्तक–13 "सामाजिक क्रिया में संलग्नता "सामाजिक क्रिया में

शेष पृष्ठ 3 पर

चंडीगढ़ में समीक्षा बैठक का आयोजन

पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू और कश्मीर की क्षेत्रीय बहाई परिषद ने 15 से 17 सितंबर, 2023 तक चंडीगढ़ के बहाई भवन में पूरे क्षेत्र के लिए दूसरी त्रैमासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया। इन दो समीक्षा बैठकों में परिषद को सलाहकार का सानिध्य प्राप्त हुआ और विश्व न्याय मन्दिर के 28, 29 और 30 दिसंबर के संदेशों के माध्यम से नौ वर्षीय योजना जिसका लगभग डेढ़ वर्ष बीत चुका है, उसके लक्ष्य को प्राप्त करने की गति में तीव्रता लाने में मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। सलाहकार स्वयं वास्तविकता को समझने के लिए क्षेत्र के क्लस्टरों का बड़े पैमाने पर दौरा कर रहे हैं और इस तरह परिषद, प्रशिक्षण मण्डल और सहायक मण्डल सदस्यों के सामूहिक प्रयास से क्षेत्र में विकास का एक कार्यक्रम शुरू करने और ध्यान केंद्रित करने के लिए मापदंडों का सुझाव दे रहे हैं।

सलाहकार याद दिलाते रहे हैं कि नौ वर्षीय योजना का बहुमूल्य डेढ़ वर्ष बीत चुका है। एक तरह से हमें बहुत सतर्क रहना होगा और देखना होगा कि हम नौ वर्षीय योजना के अंत तक अपने क्षेत्र को कहाँ देखना चाहते हैं। उसी के अनुरूप हमारी तैयारी एवं योजना निर्धारित होनी चाहिए।

बैठक में उपस्थित मित्रगण बहुत उत्साहित और प्रेरित थे। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्लस्टर से लगभग 50 प्रतिभागी शामिल हुए। परिषद की सभी एजेंसियों ने पॉवरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से पिछली तिमाही में क्या हासिल किया गया, इसके बारे में अपनी सीख साझा की। सलाहकार ने परिषद, प्रशिक्षण संस्थान मण्डल और सहायक मण्डल सदस्यों के संयुक्त प्रयासों को तेज करने पर बल दिया और बताया कि अन्यथा हम इस नौ वर्षीय योजना में बहुत पीछे रह जाएंगे।

समीक्षा बैठक में जिन विषयों पर चर्चाएँ की गईं वे इस प्रकार हैं:

सलाहकार ने सांख्यिकीय आंकड़ों के महत्व के बारे में बात की और बताया कि कैसे सांख्यिकीय आंकड़े हमारी मुख्य गतिविधियों को आकार देने में भूमिका निभाते हैं। यह सांख्यिकी अधिकारी ही है जो संस्थान का ध्यान आकर्षित करता है कि क्या हासिल किया गया है और क्या हासिल करने की आवश्यकता है। सांख्यिकी अधिकारी क्लस्टर का अवलोकन प्रस्तुत करता रहता है और परिषद को उससे अवगत रखता है।

क्षेत्र का निरीक्षण साझा किया गया और चर्चा की गई जिसमें हमारी चुनौतियाँ और शक्तियाँ शामिल थीं। सलाहकार ने हमें अपनी शक्ति पर विचार करने की सलाह दी क्योंकि हमारे क्षेत्र में काफी संभावनाएँ और क्षमताएँ हैं।

सलाहकार ने क्लस्टरों के अभिगमन तथा पहले, दूसरे और तीसरे मील के पत्थर की विशेषताओं के बारे में बात की। इसके अलावा उन्होंने बच्चों की बहाई कक्षाओं को औपचारिक बनाने पर जोर दिया। सलाहकार ने विकास चक्र के बारे में बात की और एक सुनियोजित समीक्षा बैठक का होना कितना महत्वपूर्ण है जो शिक्षण, दृढ़ीकरण और मानव संसाधन विकास गतिविधियों को आगे बढ़ाती है, उसके बारे में बताया और कहा यह समुदाय की धड़कन है। परिषद को सभी दूसरे मील के पत्थर वाले क्लस्टरों में चक्र की लय को सुदृढ़ करने की सलाह दी गई। उन्होंने समुदाय के आध्यात्मिक स्वास्थ्य की जरूरत पर भी बात की और बताया कि समुदाय तथा क्लस्टर स्तर की बैठकों में या जब भी संभव हो इस पर चर्चा करना कितना महत्वपूर्ण है।

अंत में, अगली तिमाही के लिए सलाहकार की सहायता से क्षेत्र के लिए एक विस्तृत और व्यापक योजना बनाई गई।



चंडीगढ़ में आयोजित समीक्षा बैठक में शामिल हुए मित्रगण

झारखण्ड में आयोजित गतिविधियाँ

• सितंबर माह के अंतर्गत कई क्लस्टरों में रूही पुस्तकों का आयोजन कर उन्हें समाप्त किया गया। इसमें लंबे अंतराल से संचालित समूह तथा नये समूह दोनों शामिल थे। 26 अगस्त को राजनगर क्लस्टर के हामदा गाँव की अनुप्रेरक द्वारा 7 किशोरों को किशोर पुस्तक की तीसरी पुस्तक संख्याओं पर विचार समाप्त कराई गई और अगली पुस्तक एक व्यवस्थित मन की आदतें साथ ही साथ शुरू कराई गई। 5 सितंबर को झारखण्ड के बोकारो प्रखंड के जोरीडीह नये क्लस्टर का भ्रमण सिल्ली के स्थानीय मित्रों द्वारा किया गया जहाँ पर स्थानीय सरपंच एवं लोगों के साथ बैठक कर बहाई कार्यक्रमों से अवगत कराया गया जिसके उपरांत उपस्थित गाँव के मित्रों ने इस कार्यक्रम को अपने गाँव के लिए अत्यन्त आवश्यक बताते हुए जल्द से जल्द कक्षाएँ शुरू करने का आग्रह किया। 10 सितंबर को मुसाबनी में 12 प्रतिभागियों के साथ रूही पुस्तक–1 दिव्य जीवन एक चिंतन को समाप्त किया गया और साथ ही इस पुस्तक से सम्बंधित सेवा कार्य के माध्यम से 7 घरों में प्रार्थना सभाएँ भी शुरू कराई गईं। 17 सितंबर को चंदनकियारी क्लस्टर के नए समुदाय रोहणीटांड में 11 प्रतिभागियों के साथ रूही पुस्तक एक दिव्य जीवन एक चिंतन को समाप्त कराया गया। इसके साथ ही 8 घरों में उन प्रतिभागियों की सहायता से उनके ही घरों में प्रार्थना सभा भी शुरू कराई गई। 23 सितंबर को सह शिक्षक द्वारा करनडीह क्लस्टर में 6 प्रतिभागियों को पुस्तक–2 सेवा का संकल्प सघन अध्ययनवृत्त के माध्यम से समाप्त कराया गया, जिसके बाद उन्होंने दल बनाकर कुछ बहाई परिवारों में गृह भ्रमण कर उन्हें पुस्तक में पढ़े गए दृढ़ीकरण के विषयों जैसे – बहाई कोष, बाब–बहाउल्लाह की जीवनी, उन्नीस दिवसीय सहभोज, प्रेम और एकता, जैसे अन्य विषयों के संदर्भ में पुनः बताया गया। 24 सितंबर को बहरागोड़ा क्लस्टर में सह–शिक्षक द्वारा अध्ययनवृत्त के माध्यम से 5 प्रतिभागियों के साथ रूही पुस्तक–1 दिव्य जीवन एक चिंतन को समाप्त किया गया और अगली पुस्तक रूही–2 को करने की योजना बनाई गई।

• महाद्वीपीय सलाहकार का 14 से 16 सितंबर, 2023 को झारखण्ड आगमन हुआ, जिनकी उपस्थिति में तीन क्लस्टरों राजनगर, परसुडीह एवं जमशेदपुर का भ्रमण किया गया। प्रथम दिन सभी राज्यस्तरीय संस्थाओं एवं एजेंसियों से राज्य में प्रभुधर्म के विकास की

शेष पृष्ठ 4 पर



करनडीह क्लस्टर में रूही पुस्तक–2 का अध्ययन करने वाले प्रतिभागी



मुसाबनी क्लस्टर में रूही पुस्तक–1 पूर्ण करने वाले प्रतिभागी

देवलाली के बहाई मित्रों की तहसीलदार के साथ भेंटवार्ता

महाराष्ट्र के देवलाली के कुछ भाग और पडोसी गांव में कुछ परिवारों के पास राशन कार्ड न होने के कारण अनेक परिवार विभिन्न सरकारी योजना का लाभ उठाने से वंचित हैं। राशन कार्ड न होने के कारण इन परिवारों के बच्चों की शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ऐसे लोगों की मदद के लिए स्थानीय आध्यात्मिक सभा देवलाली ने परामर्श किया और स्थानीय आध्यात्मिक सभा के चार सदस्य, सहायक मण्डल सदस्य और उनके एक सहायक सहित एक दल नासिक की तहसीलदार डॉ राजश्री आहेरावजी से मिला और उन्हें इन सभी बातों से अवगत कराया गया।

बातचीत के उपरांत तहसीलदार द्वारा आश्वासन दिया गया कि आप उन सभी परिवारों जो राशन कार्ड से वंचित हैं उनके दस्तावेज एकत्रित कीजिए, नवम्बर में उनके गांवों में एक अभियान के माध्यम से सभी परिवारों का पंजीकरण किया जाएगा, जिनके पास राशन कार्ड नहीं हैं। आप इन दो महीनों में सभी तरह के दस्तावेजों को एकत्रित करें, मेरी देख–रेख में उन गांवो में आकर राशन कार्ड के लिए अभियान चलाया जाएगा। तहसीलदार ने बहाई संस्थाओं के कार्य के बारे में पूछने पर उन्हें बहाई संस्थाओं के कार्यों की संक्षिप्त जानकारी दी गई।



देवलाली की तहसीलदार को बहाई मित्रगण पुष्प भेंट करते हुए

बिहार में तीन पीएसए सेमिनारों का आयोजन

पृष्ठ 1 का शेष

करता है वहाँ हमारी मूल–गतिविधियाँ प्रभावशाली होती हैं और इसका सकारात्मक प्रभाव भी दिखता है।''

"दुनियाँ का वर्णन" पुस्तक के अध्ययन के दौरान एक सेमिनार के प्रतिभागियों ने दल बनाकर कुछ स्थानीय घरों का भ्रमण किया एवं घर में उपस्थित लोगों से बच्चों की शिक्षा–खासकर 3 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के संदर्भ में वार्तालाप की एवं गाँव में आयोजित हो रहीं शैक्षणिक गतिविधियों से उन्हें अवगत कराया। एक गृहस्वामी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा –"आज भौतिक रूप से गाँव समृद्ध हो गया है, लेकिन परिवारों के बीच के आपसी संबंधों में दरार देखी जा रही है। सामाजिकता में कमी आई है, इसलिए हमें शिक्षा के माध्यम से लोगों में आध्यात्मिक तथा नैतिक मूल्यों को बेहतर करने का निरंतर प्रयास करना होगा।"

इसी क्रम में तीनों सेमिनारों में अगली पुस्तक पदार्थ का ''ऊष्मीकरण और शीतलीकरण'' का गहन अध्ययन किया गया, जो प्रतिभागियों में विज्ञान के सामर्थ्य को विकसित करता है। इस पुस्तक के अध्ययन के दौरान प्रतिभागियों ने विज्ञान की उपयोगिता, ताप, दाब, बल, ऊष्मा, आयतन, पदार्थ की विशेषता, अणु और परमाणु का अस्तित्व आदि महत्वपूर्ण अवधारणाओं को सही से जाना। इन अवधारणाओं की सटीक समझ विकसित करने के लिए कई व्यावहारिक कार्य किए गए। इस पुस्तक से प्रतिभागियों ने जाना कि कैसे विज्ञान के माध्यम से हम समाज में आध्यात्मिक एवं भौतिक समृद्धि लाने में योगदान दे सकते हैं।

पुस्तक के अध्ययन के दौरान प्रतिभागी विज्ञान की विभिन्न अवधारणाओं को स्वयं एवं समुदाय से जोड़कर विचार व्यक्त कर रहे थे।

एक अन्य प्रतिभागी ने कहा कि – "प्रेम और एकता की शक्ति के बिना अस्तित्व के संसार में कुछ भी संभव नहीं है। यही शक्ति समाज को आपस में जोड़े रखती है और मानव जीवन को आकार प्रदान करती है।"

सोल द्वारा खगड़िया, पटना और बिहारशरीफ में एक साथ आयोजित इन सेमिनारों में प्रतिदिन कक्षाओं का शुभारंभ बड़े समूह में प्रार्थनाओं एवं पवित्र लेखों के पाठ से होता था और एक भक्तिमय वातावरण के निर्माण के बाद सभी स्थानों पर प्रतिभागी दो समूहों में बँटकर अध्ययन करते थे। प्रत्येक समूह में एक सह–शिक्षक तथा एक–दो सहयोगी सह–शिक्षक होते थे। प्रतिदिन प्रतिभागी आनंदपूर्ण माहौल में अध्ययन एवं समीक्षा करते हुए सीखने का प्रयास कर रहे थे। इस दौरान प्रतिभागी रचनात्मक गीत–संगीत के साथ–साथ संध्याकाल में सहयोगी खेल का भी आनंद उठा रहे थे।

मध्य प्रदेश में आयोजित गतिविधियाँ

पृष्ठ 1 का शेष

संलग्नता इकाई–1 "तृष्णमूल में प्रारम्भिक स्पंदन" का गहन अध्ययन किया गया, जिसमें इन्दौर समुदाय से 20 मित्रों ने भाग लिया। इस अध्ययन के दौरान मित्रों ने सामाजिक क्रिया के प्रारम्भिक स्पंदन के प्रति अपनी समझ विकसित की और यह जानने का प्रयास किया कि बहाई इतिहास में सामाजिक क्रिया का विकास किस प्रकार धीरे–धीरे आगे बढ़ रहा है और वर्तमान समय में यह कैसे विकास कर रहा है। मित्रों ने रूही संस्थान के पाठ्यक्रम से होने वाले व्यक्तिगत रूपांतर के बारे में गहराई से जानने का प्रयास किया। साथ ही, व्यक्ति के अन्दर भौतिक एवं आध्यात्मिक पहलुओं के बीच गत्यात्मक सामंजस्य को कैसे बनाये रखा जा सकता है, के अलावा क्रिया की शुरूआत करने के लिए एक समुदाय में रूही संस्थान का मजबूत होना बहुत आवश्यक है और वहाँ पर नियमित रूप से मित्रों की क्षमता बढ़ाने के प्रयास किये जाते रहे हैं। पुस्तक के अंत तक मित्रों ने यह समझ विकसित की, कि कैसे संस्थान प्रक्रिया उन परिस्थितियों का निर्माण करती है, जो व्यक्तियों के स्तर पर और संस्कृति के स्तर पर सामाजिक क्रिया में संलग्न होने के लिए उपयुक्त है और किस तरह तृणमूल स्तर पर स्वाभाविक स्पंदन से सामाजिक क्रिया उभरकर आती है। किस तरह जो पहल उभरकर आती है वे सरल रहती है और छोटी अवधि के लिए चलती है, जबकि कुछ और समय के साथ सतत हो, जटित हो जाती है, किस



इंदौर में आयोजित सेमिनार में अध्ययन करते हुए मित्रगण

उपासना और समुदाय की सेवा के प्रति कई अवधारणाओं को समझने का प्रयास किया।

सामाजिक क्रिया की शुरूआत करने के लिए व्यक्ति में कौन–कौन से आध्यात्मिक गुण और अभिवृत्तियाँ होनी चाहिए उनको जानने का प्रयास किया गया। साथ ही, कई प्रकार की सेवा परियोजनाओं के बारे में जाना जो अलग–अलग उद्देश्य के लिए आयोजित की जा सकती हैं। मित्रों ने यह भी समझने का प्रयास किया कि सामाजिक तरह एक साझे वैचारिक ढांचे के अंतर्गत काम करने से समुदाय को अपने प्रयासों में सामंजस्य प्राप्त करने में मदद मिलती है।

किस तरह स्थानीय सभा की संख्या सामाजिक क्रिया को आगे बढ़ाती है और समर्थन देती है और मित्रों को कुछ खतरों से बचने में मदद करती है और किस तरह सामाजिक वास्तविकता से पढ़ने की क्षमता को लगातार बढ़ाना चाहिए।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 — Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
Delhi P.S.O. — Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2021-22-23

गुरुग्राम में सामुदायिक बैठक का आयोजन

हरियाणा के गुरुग्राम में सामुदायिक बैठक का आयोजन किया गया। समुदाय बैठक में आई हुई सभी माताओं का समुदाय विकास समिति के द्वारा स्वागत किया गया। साथ ही, कुछ सुंदर प्रार्थनाओं के साथ समुदाय विकास समिति ने सामुदायिक बैठक की शुरूआत की। सामुदायिक बैठक को आगे बढ़ाते हुए समुदाय विकास समिति के एक सदस्य द्वारा एक सुंदर उद्धरण प्रस्तुत किया गया। साथ ही, उद्धरण को संक्षिप्त में सभी के साथ साझा किया गया। सभी माताओं के साथ अच्छे कर्मों की विश्व के सुधार में क्या भूमिका है इस पर भी चर्चा हुई। इसके उपरांत समुदाय विकास समिति के एक सदस्य द्वारा इतिहास के बारे में सभी माताओं को और युवाओं को जानकारी प्रदान की गई। माताओं के साथ इस बात पर भी चर्चा हुई कि किस प्रकार समुदाय में कुछ मित्र किशोर दल के साथ किशोर अवस्था में ही अपने भविष्य के बारे में सोच पा रहे हैं, कैसे किशोर दल समुदाय में किशोरों, युवाओं और बच्चों को अपने आध्यात्मिक और भौतिक विकास की मदद कर पा रहे हैं और जिसमें सभी अपनी भूमिका को समझ रहे थे कि समुदाय के सुधार में वे कैसे अपना योगदान दे सकते हैं।

समुदाय बैठक को आगे बढ़ाते हुए समुदाय के सदस्यों के साथ उनके आस–पास के वातावरण को लेकर चर्चा की गई, जिसमें सभी माताओं ने अपने आस–पास होने वाली परेशानियों के बारे में बातचीत की और अपने समुदाय की प्रगति के बारे में बताया। समुदाय विकास समिति के सदस्य द्वारा एक प्रश्न पूछा गया कि समुदाय में ऐसी कौन सी समस्या है जिन्हें आप दूर करना चाहते हैं और ऐसी कौन सी प्रगति हुई है समुदाय में जिसे आपने देखा है। इस प्रश्न का उत्तर देते हुए कुछ लोगों ने बताया कि हमारी गली में बहुत एकता है जिसके परिणाम स्वरूप हमारी गली में स्वच्छता रहती है। उपस्थित सभी लोगों ने अपना–अपना मत दिया कि यदि हमें कोई भी कार्य करना है तो सभी के बीच एकता होना आवश्यक है। सभी ने अपनी अपनी समस्याओं से अवगत कराया और उनको दूर करने के समाधान पर भी चर्चा की गई। समुदाय के सदस्यों ने कहा कि इस प्रकार की बैठक नियमित रूप से होनी चाहिए।



गुरुग्राम में आयोजित सामुदायिक बैठक में चर्चा करते हुए माताएँ

झारखण्ड में आयोजित गतिविधियाँ

पृष्ठ 2 का शेष

समीक्षा करने के उपरांत अगले दिन 15 सितंबर को राजनगर क्लस्टर का भ्रमण किया गया जो की एक तीसरे मील का क्लस्टर है और कम समय में यहाँ बहाई कार्यक्रमों के माध्यम से गहरा प्रभाव पड़ा है। इस भ्रमण योजना में सलाहकार के साथ सहायक मंडल सदस्य, परिषद् सचिव एवं प्रशिक्षण संस्थान के सदस्य शामिल थे। सर्वप्रथम वहाँ के स्थानीय नाभिकों के साथ बैठक की गई, जिसमें 6 मित्र शामिल हुए। उनके साथ उनकी भौतिक पढाई, सेवा तथा गाँव की वास्तविकता के संदर्भ में बातचीत की गई। इसके बाद गतिविधि में शामिल हो रहे गाँव के बच्चों, किशोरों तथा युवाओं का विस्तृत विवरण बनाने की योजना बनाई गई। राजनगर का हामदा गाँव जिसमें लगभग 102 घर हैं जो भक्तिपरक सभाओं के संदर्भ में संतृप्त है वहाँ समुदाय के भक्तिमय चरित्र को लेकर दो परिवारों के समूहों में प्रार्थना सभाओं का भ्रमण किया गया, जो अत्यन्त आनंदपूर्वक था। उन प्रार्थना सभाओं में प्रार्थना तथा शिक्षा के संदर्भ में गहनता से परामर्श किया गया और एक योजना बनाई गई कि कैसे इस गाँव में आने वाले तीन महीने में लगभग 12 परिवारों के समूहों को नियमित किया जाए, प्रार्थना सभाओं में और बच्चों और किशोरों के समूहों को उम्र के हिसाब से कैसे वर्गीकृत किया जाए। अगले दिन 16 सितंबर को परसुडीह क्लस्टर का भ्रमण किया गया जहाँ पर स्थानीय अभिभावकों, अनुप्रेरकों और शिक्षकों के साथ बैठक की गई जिसमें लगभग 17 मित्र शामिल हुए। इस बैठक में क्लस्टर में चल रही गतिविधियों का अनुभव स्थानीय अनुप्रेरकों एवं शिक्षकों द्वारा साझा किया गया। तदुपरांत उपस्थित अभिभावकों ने भी इस कार्यक्रम से बच्चों, किशोरों और युवाओ में हो रहे परिवर्तनों को साझा किया। कुछ मित्रों ने रूही पुस्तकों के अध्ययन का अनुभव भी साझा किया कि यह संस्थान की पुस्तकें आध्यात्मिक और भौतिक दोनों ज्ञान का समावेश हैं जो सभी के लिए नित्यान्त आवश्यक हैं। सलाहकार ने उपस्थित मित्रों को आध्यात्मिक और भौतिक दोनों शिक्षाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि बच्चे और किशोर क्या सीख रहे हैं इसे बेहतर समझने के लिए अभिभावक खुद इस पुस्तक का अध्ययन करें जिससे आप खुद अपने बच्चों और किशोरों की जिम्मेदारी को समझ पायेंगे। उनके साथ जल्द से जल्द एक अभिभावक बैठक कर इन सभी बातों को साझा करने की योजना बनाई गई।



राजनगर क्लस्टर में परिवारों के समूह में प्रार्थना सभा का आयोजन

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2021-22-23
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO Delhi on 10/11.10.2023
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg, New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)